FEATCHERS-

महा गौरी Introduces समझ Application For LIVE Online Master Classes Is An Incredibly Personalized Tutoring Platform For You, While You Are Staying At Your Home. We Have Grown Leaps And Bounds To Be The Best Online Tuition Website In Amarpatan With Immensely Talented Teachers, From The Most Reputed Institutions.

TALLY.ERP9

SMART TALLY WITH G.S.T. ACCOUNTANT

ATUL PANDEY

HEAD OF THE INSTITUTION

POWERD BY-SAMAJH APP

Tally में Ledger कैसे बनायें?

Tally में Entries करने से पहले Ledger बनाने होते हैं. Ledger एक तरह के Accounts होते हैं जिसकी Help से हम Voucher Entry करते हैं.

Tally में 2 Ledger पहले से बने होते हैं - Cash और Profit & Loss Account. इसके अलावा बाकी सभी Account हमें बनाने होते हैं जैसे Purchase Account, Sales Account आदि.

- Ledger बनाने के लिए सबसे पहले हमें Gateway of Tally में Account Info पर जाना होगा.

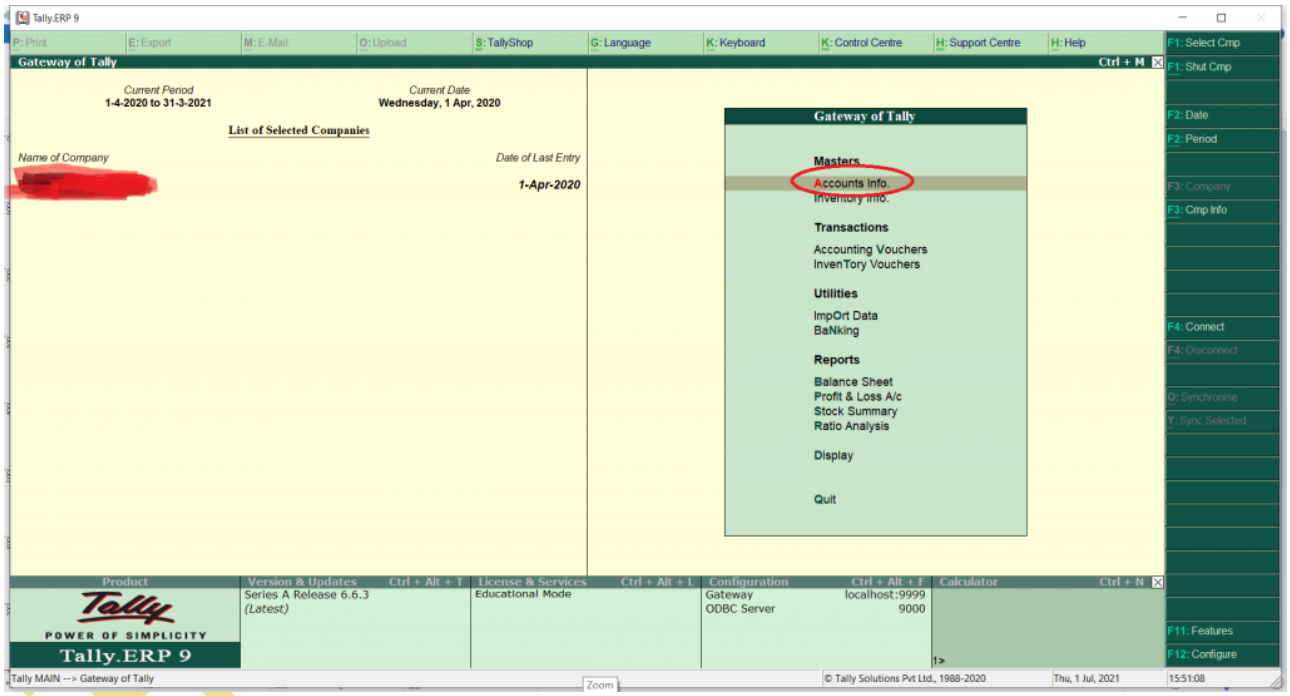

- उसके बाद हमें Ledgers पर जाना है.

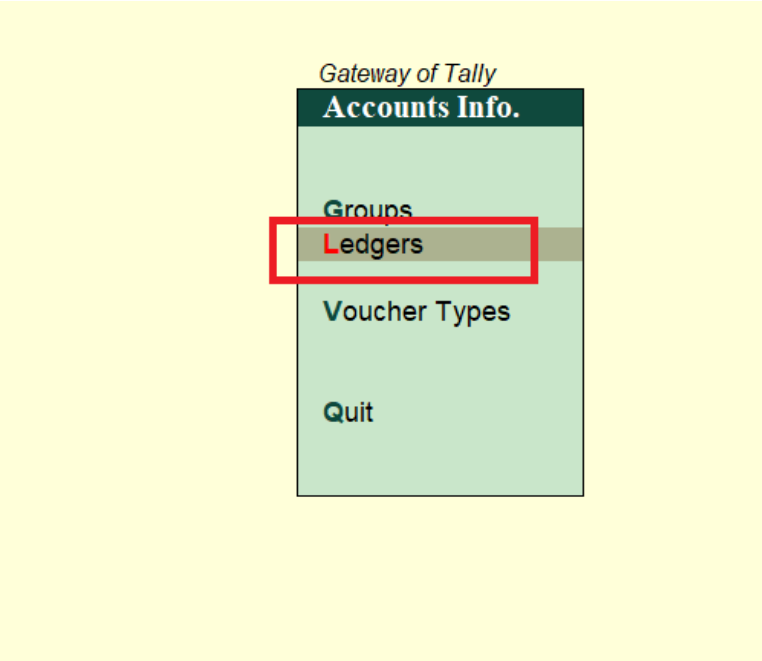

- इसमें हम 2 प्रकार से Ledgers बना सकते हैं -

महा गौरी कंप्यूटर

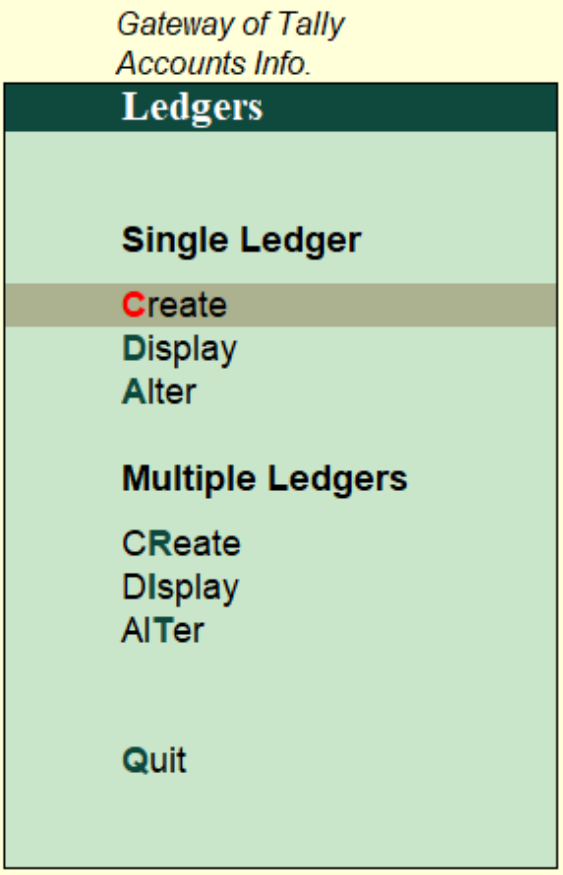

Single Ledger –

- इसमें हम Create पर जाकर एक - एक करके Ledgers बना सकते हैं.
- Gateway of Tally => Account Info => Single Ledger => Create
- इससे Ledger Creation Window Open होगी.

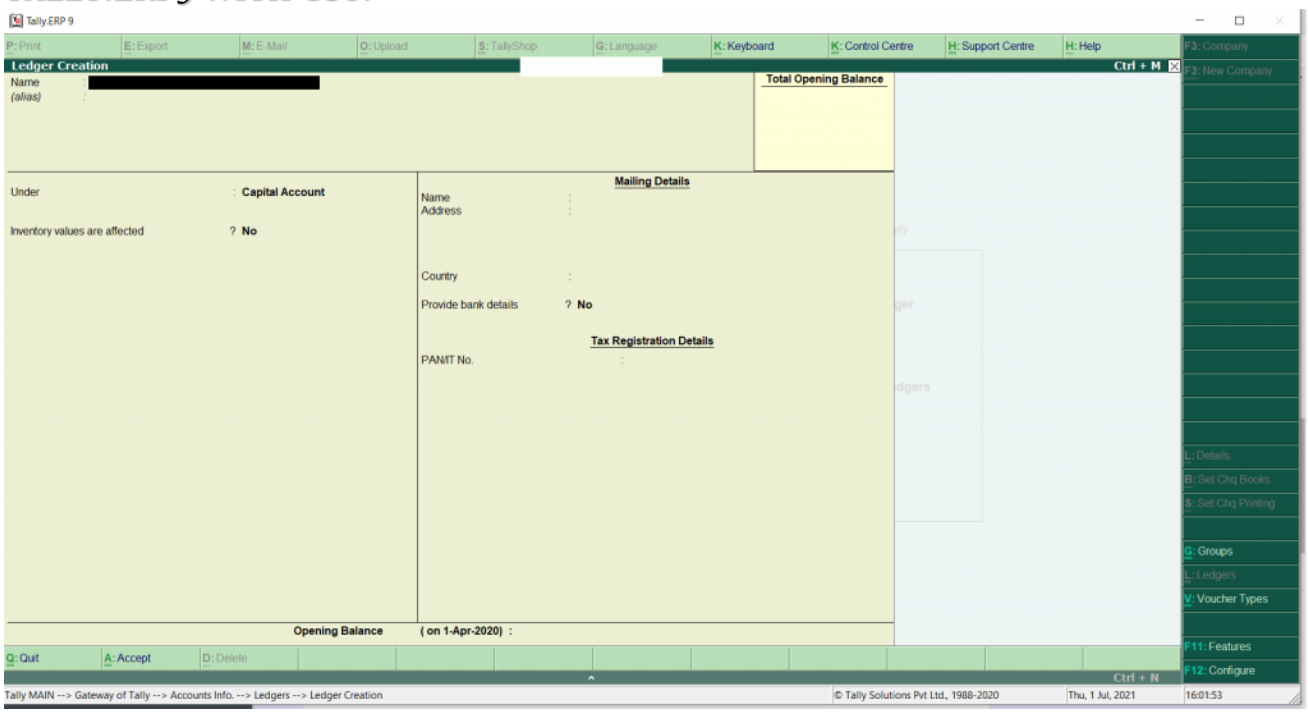

- इसमें निम्न जानकारियां हमें Fill करनी होंगी -
  - Name – इसमें हमें Ledger Name डालना है जैसे Purchase Account
  - Alias – इसमें हमें वैकल्पिक नाम लिखना है. यह लिखना जरुरी नहीं है इसे हम Blank छोड़ सकते हैं.
  - Under – इसमें हमें Ledger Name के उस Group को Select करना है जिसमे यह Ledger Account आता है. जैसे Purchase का Ledger Account Purchase होता है.
  - Inventory Values are Affected – यह Field Auto Select हो जाता है. यदि किसी Account में Inventory Affected होती है तो इसमें Yes आता है और यदि किसी Account में Inventory Affected नहीं होती तो उसमे No आता है. जैसे Purchase में Inventory Affected होती है और Interest Account में Inventory Affected नहीं होती.

- Mailing Address and Related Details – इसमें हम Ledger Account से Related अन्य Information जैसे Address , Contact Details आदि Field Fill करते हैं.
- Opening Balance – इसमें हम बनाये जा रहे Ledger Account का Opening Balance लिखते हैं.

- उसके बाद 'Accept Yes Or No' का Option आता है. इसमें हम Yes करते है या फिर Enter Press करके Ledger को Save कर देते हैं.
- इस प्रकार हम Ledger Create कर सकते हैं.

Multiple Ledgers –

इसमें हम CReate पर जाकर Multiple Ledgers बना सकते हैं. Multiple Ledgers का मतलब है इसमें हम Account Group के According Ledger बना सकते हैं.

- Gateway of Tally => Account Info => Multiple Ledgers => CReate
- इससे Multi Ledger Creation Window Open होगी.

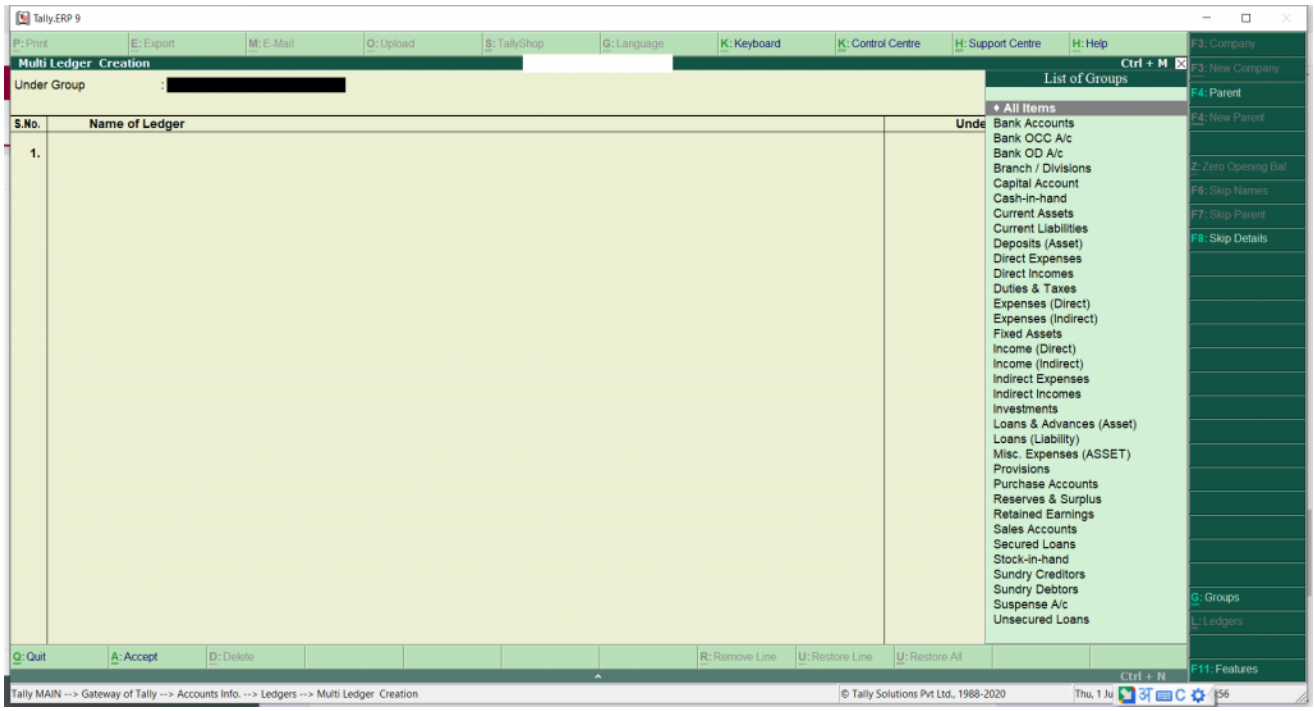

- इसमें हमें निम्न जानकारियां Fill करनी होती हैं -
  - Under Group – इसमें हमें Group Select करना है जैसे Indirect Expenses, Duties and Taxes, Indirect Incomes

- उसके बाद Name Of Ledger में हमें उन सभी Ledgers लिखने हैं जैसे Rent Account, Purchase Account आदि.
- Ledger के सामने हमें Opening Balance लिखना है.

- उस Group से Related साभी Accounts और Opening Balance लिखने के बाद Last में हमें Enter Press करके Save कर देना है.
- इस प्रकार हम Ledger Account Create कर सकते हैं.

Tally में Ledger की List कैसे देखें?

हम Tally में Single या Multiple किसी भी Mode मे Ledger को देख सकते हैं. इसमें हम Only Ledger Account देख सकते हैं उसमें कुछ भी Changes नहीं कर सकते.

Single Ledger

- इसके लिए हमें Gateway of Tally => Account Info => Single Ledger => Display पर जाना है.
- यहाँ पर Ledgers की List Show होगी.
- इसमें हमें जिस Account का Ledger देखना है उस पर Click करके हम उस Ledger की Details देख सकते हैं.

Multiple Ledgers

- इसके लिए हमें Gateway of Tally => Account Info => Multiple Ledgers => Display पर जाना है.
- इसमें Groups की List Show होगी.
- इसमें हमें उस Group को Select करना है जिसके अंतर्गत आने वाले सभी Account हम देखना चाहते हैं.
- इस प्रकार हम उस Group से सम्बंधित सभी Account की List देख सकते हैं.

Tally में Ledger में सुधार कैसे करें | How to Alter Ledger in Tally

हम Tally में Single या Multiple किसी भी Mode मे Ledger में सुधार कर सकते हैं.

Single Ledger

- इसके लिए हमें Gateway of Tally => Account Info => Single Ledger => Alter पर जाना है.
- यहाँ पर Ledgers की List Show होगी.
- इसमें हमें जिस Account का Ledger Edit करना है उस पर Click करेंगे.
- इससे वह Ledger Open हो जायेगा जिसमे हम कोई भी सुधार कर सकते हैं.

Multiple Ledgers

- इसके लिए हमें Gateway of Tally => Account Info => Multiple Ledgers => AlTer पर जाना है.
- इसमें Groups की List Show होगी.
- इसमें हमें उस Group को Select करना है जिसमें हम सुधार करना चाहते हैं.
- इस प्रकार हम उस Group से सम्बंधित सभी Ledger Account की List Open हो जाएगी जिसमे हम कुछ भी Alteration कर सकते हैं.

Tally में Ledger Delete कैसे करें | How to Delete Ledger in Tally

हम Tally में Single या Multiple किसी भी Mode मे Ledger Delete कर सकते हैं. यदि हमने उस Ledger से सम्बंधित Journal Entry कर ली है तो वह Ledger Delete नहीं होगी.

Single Ledger

- इसके लिए हमें Gateway of Tally => Account Info => Single Ledger => Alter पर जाना है.
- यहाँ पर Ledgers की List Show होगी.
- इसमें हमें जिस Account पर जाना है जिसे हमें Delete करना है.
- इससे वह Ledger Open हो जायेगा.
- उसके बाद हम ALT + D Keys Press करके Ledger Delete कर सकते हैं.

Multiple Ledgers

- इसके लिए हमें Gateway of Tally => Account Info => Multiple Ledgers => AlTer पर जाना है.
- इसमें Groups की List Show होगी.
- इसमें हमें उस Group को Select करना है जिस Group में से हम Ledger Delete करना चाहते हैं.
- इस प्रकार हम उस Group से सम्बंधित सभी Ledger Account की List Open हो जाएगी.
- इसमें से हम Ledger Delete कर सकते हैं.

Tally Ledgers Under Group List

1. **Bank Accounts –** Bank Account Group मे सभी बैंक के खातो को शामिल किया जाता है| मगर Bank Loan अकाउंट को इसमे शामिल नही किया जाता है| जैसे - HDFC Bank A/c, SBI Bank A/c इत्यादि|
2. **Bank OCC A/c –** Bank OCC A/c यानि Bank Open Cash Credit Account Group मे Bank Loan अकाउंट को शामिल किया जाता है| यानि यदि आपने किसी बैंक से लोन लिया है तो उस खाते को आप इस Group मे शामिल कर सकते है| जैसे - HDFC Bank Loan A/c, SBI Bank Loan A/c इत्यादि|
3. **Bank OD A/c –** Bank OD A/c यानि Bank Overdraft A/c Group मे सभी Bank Overdraft अकाउंट को शामिल किया जाता है| यानि आपने किसी बैंक से Overdraft लिया है तो इस Group मे शामिल कर सकते है| जैसे - HDFC Bank OD A/c, SBI Bank OD A/c इत्यादि|
4. **Branch/Divisions –** यदि आपके कंपनी का एक से ज्यादा ब्रांच है और उन सभी ब्रांच का हिसाब किताब एक ही जगह रखा जाता है तो आप उन सभी Branch/Divisions से संबन्धित खातो को इस Group मे शामिल कर सकते है| जैसे - ABC Pvt. Ltd. Gopalganj, ABC Pvt. Ltd. Bettiah इत्यादि|
5. **Capital Account –** Capital Account Group मे कंपनी के मालिक के खातो को शामिल किया जाता है| जैसे यदि कंपनी के मालिक का नाम है Hari Singh तो Hari Singh Capital A/c का लेजर इस ग्रुप मे शामिल किया जाएगा|
6. **Cash-in-Hand –** Cash in Hand Group मे Cash के Ledger को शामिल किया जाता है| हालाकी Cash का लेजर पहले से ही Tally मे बाय डिफ़ाल्ट बना होता है| मगर आपको Cash से संबन्धित और भी लेजर को बनाना हो

तो आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Cash Gopalganj, Cash Siwan, Petty Cash A/c इत्यादि|

7. **Current Assets –** Current Assets Group मे उन सभी संपत्तियां (Assets) को शामिल किया जाता है जिसे आसानी से Cash मे बदला जा सकता है| यानि यदि आपने किसी कंपनी या व्यक्ति को एडवांस मे कोई पेमेंट किया है तो उसे आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Advance Salary, Prepaid Rent, Prepaid Insurance Charge इत्यादि|
8. **Current Liabilities –** Current Liabilities Group मे उन देनदारियों (Liabilities) को शामिल किया जाता है यदि आपने किसी कंपनी या व्यक्ति से एडवांस पेमेंट प्राप्त किया है या कोई कंपनी का expense है| जिसका आपको पेमेंट करना है तो इन सभी प्रकार के देनदारियों को आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - GST Payable, Bill Payable, Salary Payable इत्यादि|
9. **Deposits (Asset) –** Deposits (Asset) Group मे उन सभी Fix Deposits या Investment को शामिल कर सकते है जो की आपने अपने व्यवसाय के लिए किया है और आपको पता है की यह इतने साल के बाद Fix Deposit पूरा होगा| इन सभी प्रकार के लेजर को आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Office Rent Deposit, Security Deposit इत्यादि|
10. **Direct Expenses –** Direct Expenses Group मे उन सभी प्रकार के खर्चो को शामिल किया जाता है जिसका सीधा संबंध वस्तुओ के खरीदने मे या वस्तुओ के उत्पाद करने से होता है उन सभी खर्चो (Expense) को आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Freight Charge, Transport Expense, Wedges Expense इत्यादि|
11. **Direct Incomes –** Direct Incomes Group मे उन सभी आय को शामिल किया जाता है जो की उस व्यवसाय के प्रत्यक्ष आय से संबन्धित हो| अर्थात आपका व्यवसाय माल (Goods) को खरीद के या उत्पाद करके Sale करना है| तो उस Sale से आपको जो भी आय होगा उसे हम इस ग्रुप मे शामिल

कर सकते है| जैसे - Freight Charge Income, Income From Service इत्यादि|

12. **Duties & Taxes –** Duties & Taxes Group मे व्यवसाय से संबन्धित सभी प्रकार के Tax को शामिल किया जाता है| जैसे - Input IGST, Input CGST, Input SGST, Output IGST, Output CGST, Output SGST, TDS, Vat Payable इत्यादि|
13. **Expenses (Direct) –** Expenses (Direct) Group मे उन सभी प्रकार के खर्चो को शामिल किया जाता है जिसका सीधा संबंध वस्तुओ के खरीदने मे या वस्तुओ के उत्पाद करने से होता है उन सभी खर्चो (Expense) को आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Freight Charge, Transport Expense, Wedges Expense इत्यादि|
14. **Expenses (Indirect) –** Expenses (Indirect) Group मे उन सभी प्रकार के खर्चो को शामिल किया जाता है जिसका सीधा संबंध वस्तुओ के खरीदने मे या वस्तुओ के उत्पाद करने से नही होता है उन सभी खर्चो (Expense) को आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Salary, Office Rent, Audit Fee, Office Expense, Bank Charge इत्यादि|
15. **Fixed Assets –** Fixed Assets Group मे व्यवसाय के सभी स्थायी संपत्तियां को शामिल किया जाता है| स्थायी संपत्तियां व्यवसाय के संचालन मे सहायक होते है| जैसे - Building, Land, Computer, Furniture इत्यादि|
16. **Income (Direct) –** Incomes (Direct) Group मे उन सभी आय को शामिल किया जाता है जो की उस व्यवसाय के प्रत्यक्ष आय से संबन्धित हो| अर्थात आपका व्यवसाय माल (Goods) को खरीद के या उत्पाद करके Sale करना है| तो उस Sale से आपको जो भी आय होगा उसे हम इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Freight Charge Income, Income From Service इत्यादि|
17. **Income (Indirect) –** Incomes (Indirect) Group मे उन सभी आय को शामिल किया जाता है जो की उस व्यवसाय के अप्रत्यक्ष आय से संबन्धित

हो| अर्थात इसका सीधा संबंध माल की विक्री या उत्पाद से नही होता है| जैसे - Interest Received, Discount Received, Scrap Sale इत्यादि|

18. **Indirect Expenses –** Indirect Expenses Group मे उन सभी प्रकार के खर्चो को शामिल किया जाता है जिसका सीधा संबंध वस्तुओ के खरीदने मे या वस्तुओ के उत्पाद करने से नही होता है उन सभी खर्चो (Expense) को आप इस ग्रुप मे शामिल कर सकते है| जैसे - Salary, Office Rent, Audit Fee, Office Expense, Bank Charge इत्यादि|
19. **Indirect Incomes –** Indirect Incomes Group मे उन सभी आय को शामिल किया जाता है जो की उस व्यवसाय के अप्रत्यक्ष आय से संबन्धित हो| अर्थात इसका सीधा संबंध माल की विक्री या उत्पाद से नही होता है| जैसे - Interest Received, Discount Received, Scrap Sale इत्यादि|
20. **Investment –** यदि आपने व्यवसाय मे लंबे समय के लिए कोई निवेश किया है और आपको पता ही नही होता की इस निवेश से Profit होगा या Loss. तो ऐसे निवेश (Investment) के खातो को Investment Group मे शामिल करते है| जैसे - Investment in Share, Long term investment, Short term investment, Mutual Fund इत्यादि|
21. **Loan & Advances (Asset) –** यदि आपने व्यवसाय मे किसी को Advance Payment या Loan दिया है तो ऐसे खातो को Loan & Advance (Asset) Group मे शामिल करते है| जैसे - Loan Give to Friends, Relatives and Company इत्यादि|
22. **Loans (Liability) –** यदि आपने व्यवसाय मे किसी से Advance Payment या Loan लिया है तो ऐसे खातो को Loans (Liability) Group मे शामिल करते है| जैसे - Loan From Outside Party इत्यादि|
23. **Misc. Expenses (Asset) –** Misc. Expenses (Asset) Group मे हम उन सभी Doubtful खर्चे को शामिल करते है जिसका पेमेंट हमे बाद मे करना पड सकता है| जैसे Preliminary Expenses, Not Yet Written off इत्यादि|

24. **Provisions –** Provisions Group मे उन सभी खातो को शामिल किया जाता है जिसका भुगतान हमे भविष्य मे करना होता है| जैसे - TDS Payable, Audit Fees Payable इत्यादि|
25. **Purchase Accounts –** Purchase Account Group मे ऐसे खातो को शामिल किया जाता है जो की व्यवसाय मे माल (Goods) खरीदी से संबन्धित होते है| खरीद वापसी (Purchase Return) के खातो को भी इस ग्रुप मे शामिल किया जाता है| जैसे - Purchase Intra State, Purchase Inter State, Purchase (Composition), Purchase Exempt इत्यादि|
26. **Reserves & Surplus –** वो पूंजी जो व्यवसाय को बेहतर बनाने के लिए और Secure Future के लिए बचाके रखी जाती है जो व्यवसाय के बुरे वक्त मे काम आती है| तो इस प्रकार से संबन्धित खातो को Reserves & Surplus Group मे शामिल करते है| जैसे General Reserves, Capital Reserve, Share Premium A/c, All Type Reserve इत्यादि|
27. **Retained Earnings –** आपके व्यवसाय मे जो earnings होती है और उन earnings मे से आप कुछ हिस्सा बचाके भविष्य के लिए रख लेते है की बाद मे आपको कंपनी मे कोई पैसे की जरूरत पड़े तो आप इसमे से निकाल के कंपनी मे लगा सके| तो इन प्रकार के ledger को Retained Earnings Group मे शामिल करते है| जैसे - General Reserve, Share Premium, Any other Reserve and Investment
28. **Sales Accounts –** Sales Accounts Group मे उन खातो को शामिल किया जाता है जिसका संबंध माल (Goods) की विक्री से हो| विक्री वापसी (Sales Return) के खातो को भी इस ग्रुप मे शामिल किया जाता है| जैसे - Sales Intra State, Sales Inter State, Sales (Composition), Sales Exempt इत्यादि|
29. **Secured Loans –** यदि आपने व्यवसाय मे कोई Loan लिया है Bank को छोड़कर जिसमे कोई Security रखना होती है| तो उन सभी खातो को Secured Loans Group मे शामिल करते है| जैसे - Motor Finance Loan, Gold Loan इत्यादि|

30. **Stock-in-Hand –** Stock in Hand Group मे Stock से संबन्धित खातो को शामिल किया जाता है| जैसे Opening Stock, Closing Stock, Consignment Stock इत्यादि|
31. **Sundry Creditors –** यदि आपने किसी कंपनी या व्यक्ति से उधार पर माल (Goods) खरीदा है और उन्हे हमे पैसे देने होते है| तो उन सभी कंपनी या व्यक्ति के खातो को हम Sundry Creditors Group मे शामिल करते है|
32. **Sundry Debtors –** यदि आपने किसी कंपनी या व्यक्ति से उधार पर माल (Goods) बेचा है और उनसे हमे पैसे पाने होते है| तो उन सभी कंपनी या व्यक्ति के खातो को हम Sundry Debtors Group मे शामिल करते है|
33. **Suspense Account –** Suspense Account Group मे हम ऐसे खातो (Ledgers) को शामिल करते है जिसके बारे मे हमे पता नही होता है|
34. **Unsecured Loans –** यदि व्यवसाय मे आपने किसी दोस्त या रिस्तेदार से लोन लिया है तो ऐसे लोन को Unsecured Loans Group मे शामिल करते है|

SOME IMPORTANT OR COMMON VOUCHERS-EG.-

1. ए.के. शर्मा के द्वारा व्यापार आरंभ किया गया! 5,00000 रुपये.
2. कंप्यूटर नगद क्रय किया गया! 18,000 रुपये.
3. फर्नीचर नगद क्रय किया गया! 12,000 रुपये.
4. राम से माल क्रय किया गया! 8,000 रुपये.
5. मोहन को माल बेचा गया! 10,000 रुपये.
6. बृजेश को मजदुरी दी गई! 1,500 रुपये.
7. रोहन को वेतन दिया गया! 20,000 रुपये.
8. दुकान का किराया दिया गया! 6,000 रुपये.
9. बिजली बिल दिया गया! 5,500 रुपये.
10. निजी व्यय के लिए पैसा निकाला गया! 25,000 रुपये.
11. व्यपारिक व्यय दिया गया! 10,000 रुपये.
12. चाय का खर्च दिया गया! 3,000 रुपये.
13. न्यूज पेपर का बिल दिया गया! 300 रुपये.
14. राम को माल वापस किया गया! 2,000 रुपये.
15. मोहन ने माल वापस किया! 1,500 रुपये.

• SINGLE LEDGER CREATION-

1.ए.के. शर्मा के द्वारा व्यापार आरंभ किया गया! 5,00000 रुपये.

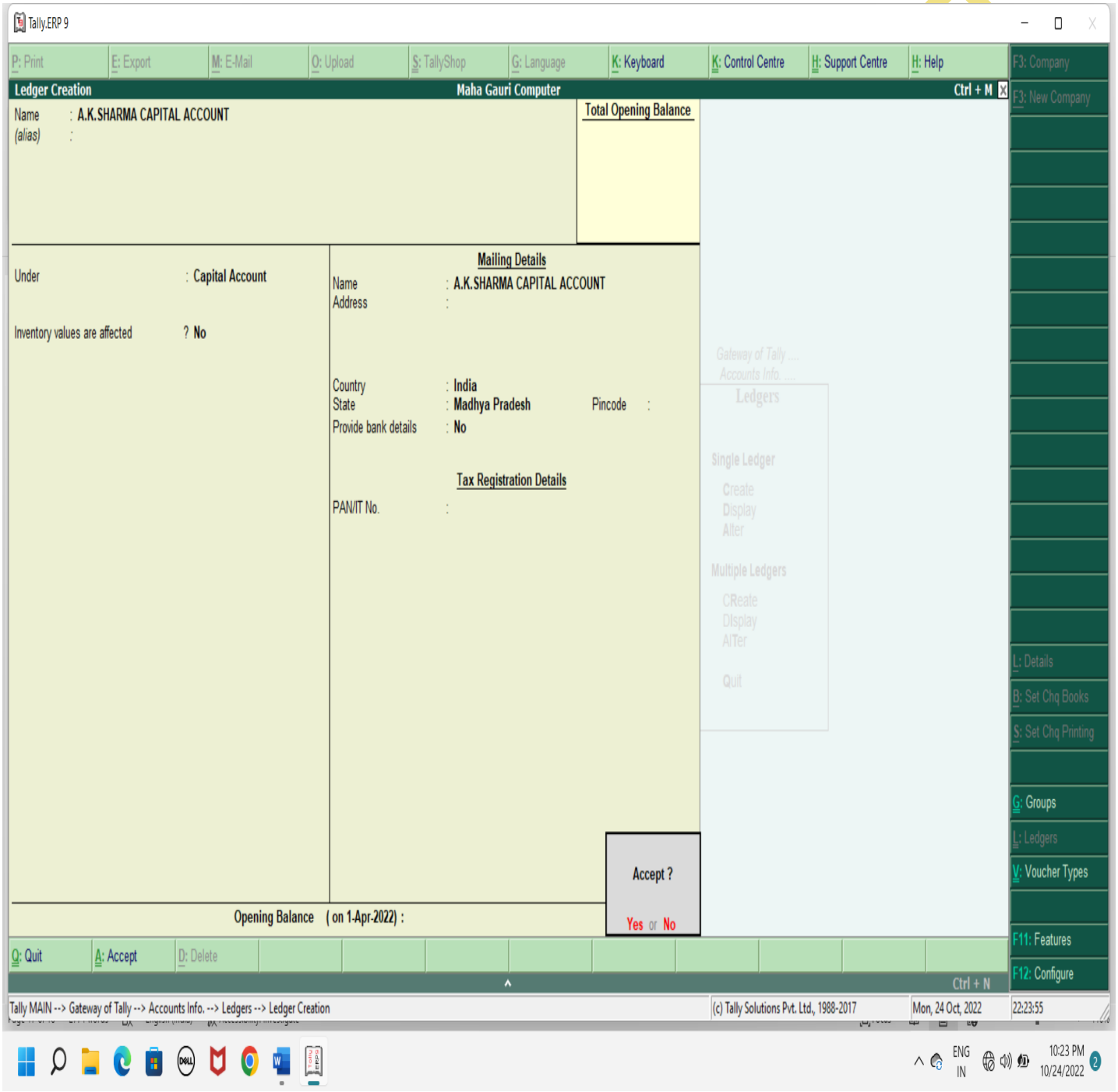

2.कंप्यूटर नगद क्रय किया गया! 18,000 रुपये.

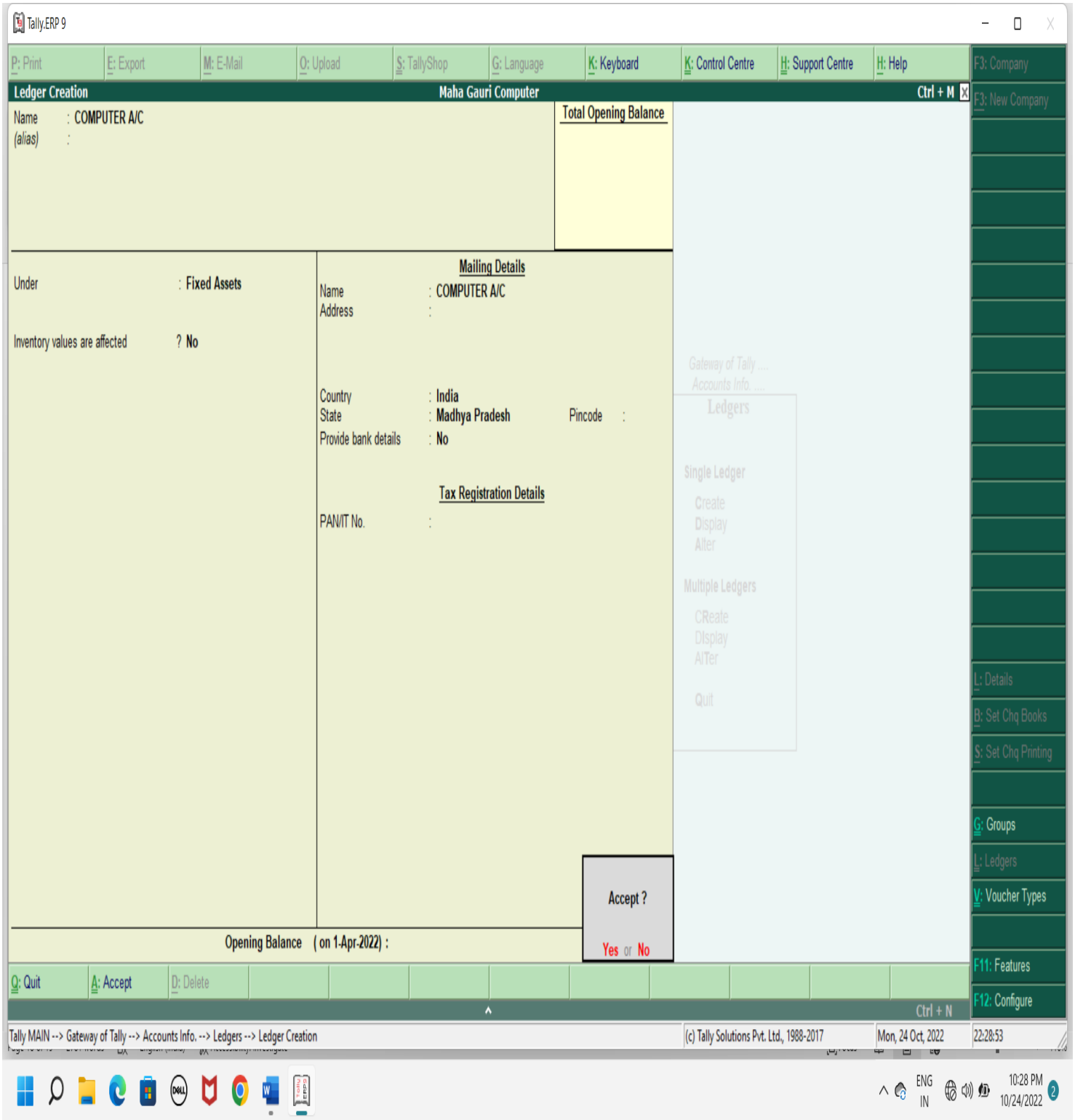

3.फर्नीचर नगद क्रय किया गया! 12,000 रुपये.

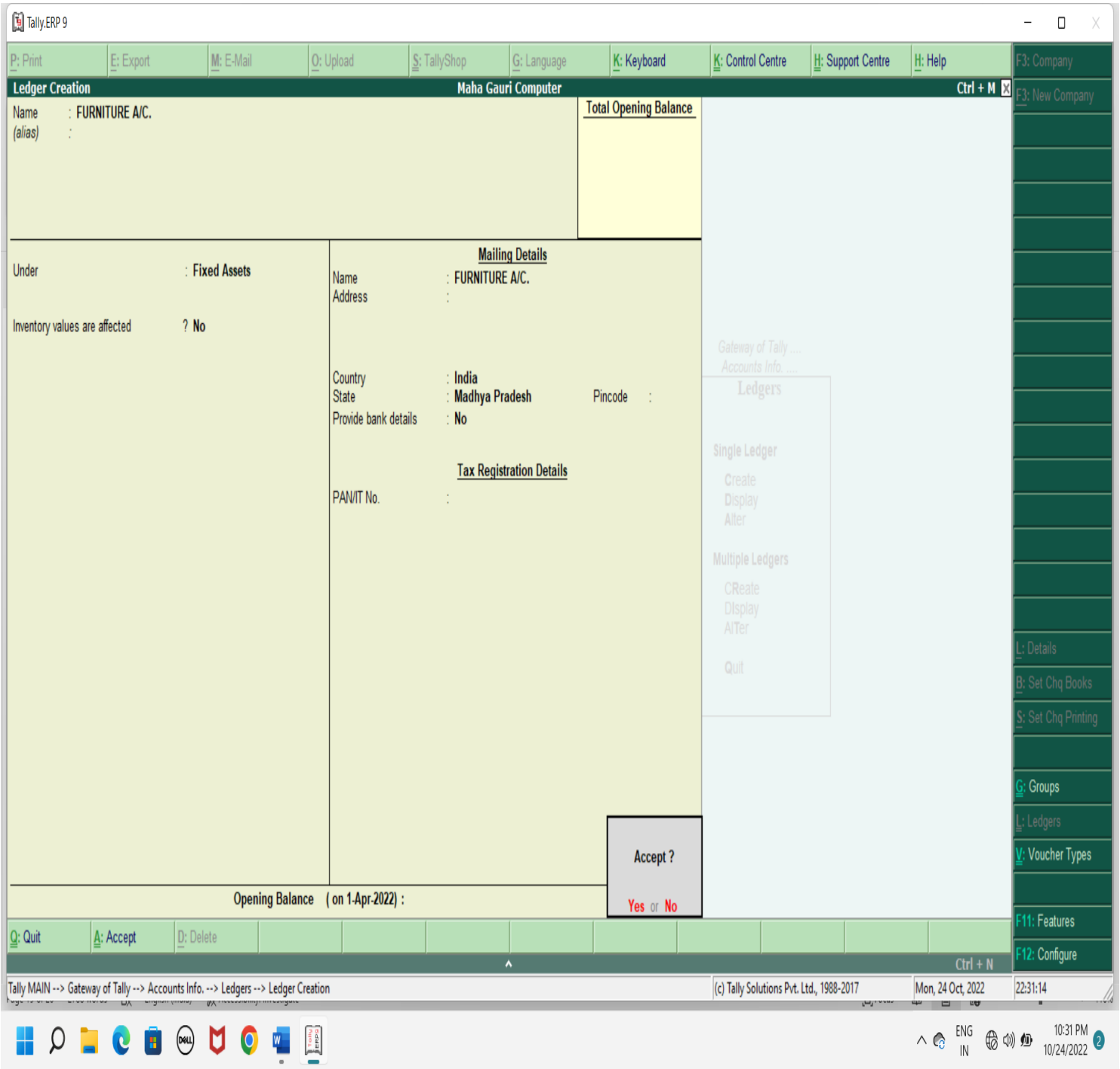

4.राम से माल क्रय किया गया! 8,000 रुपये

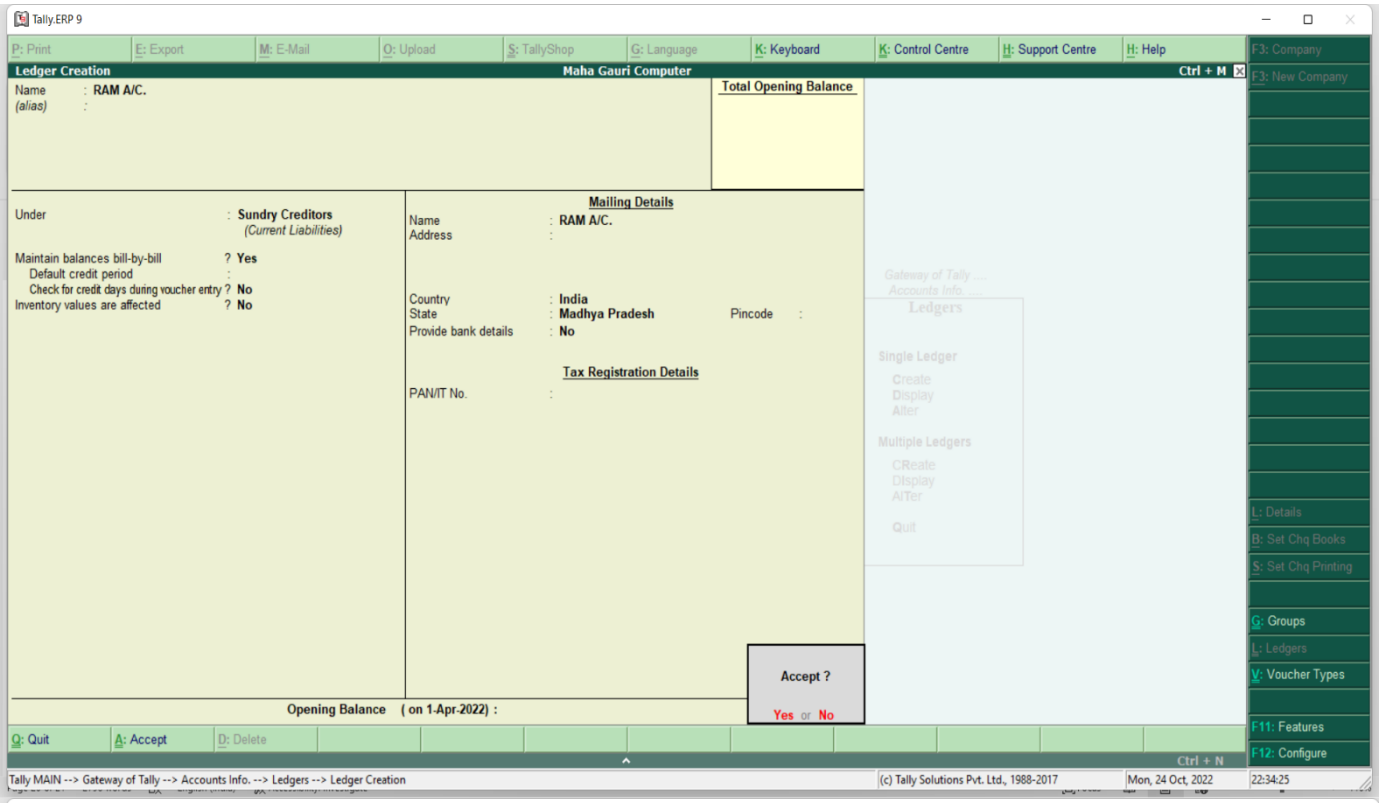

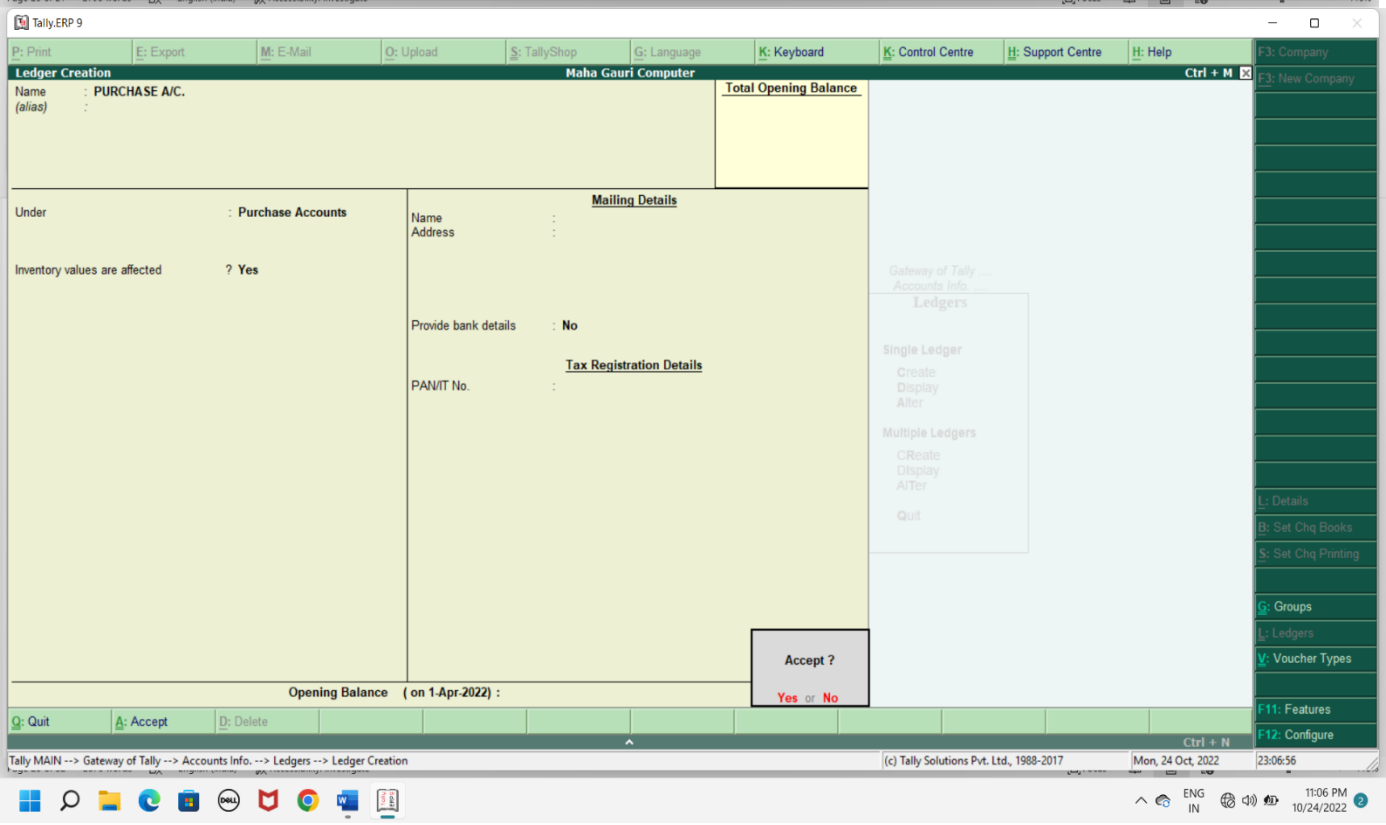

5.मोहन को माल बेचा गया! 10,000 रुपये.

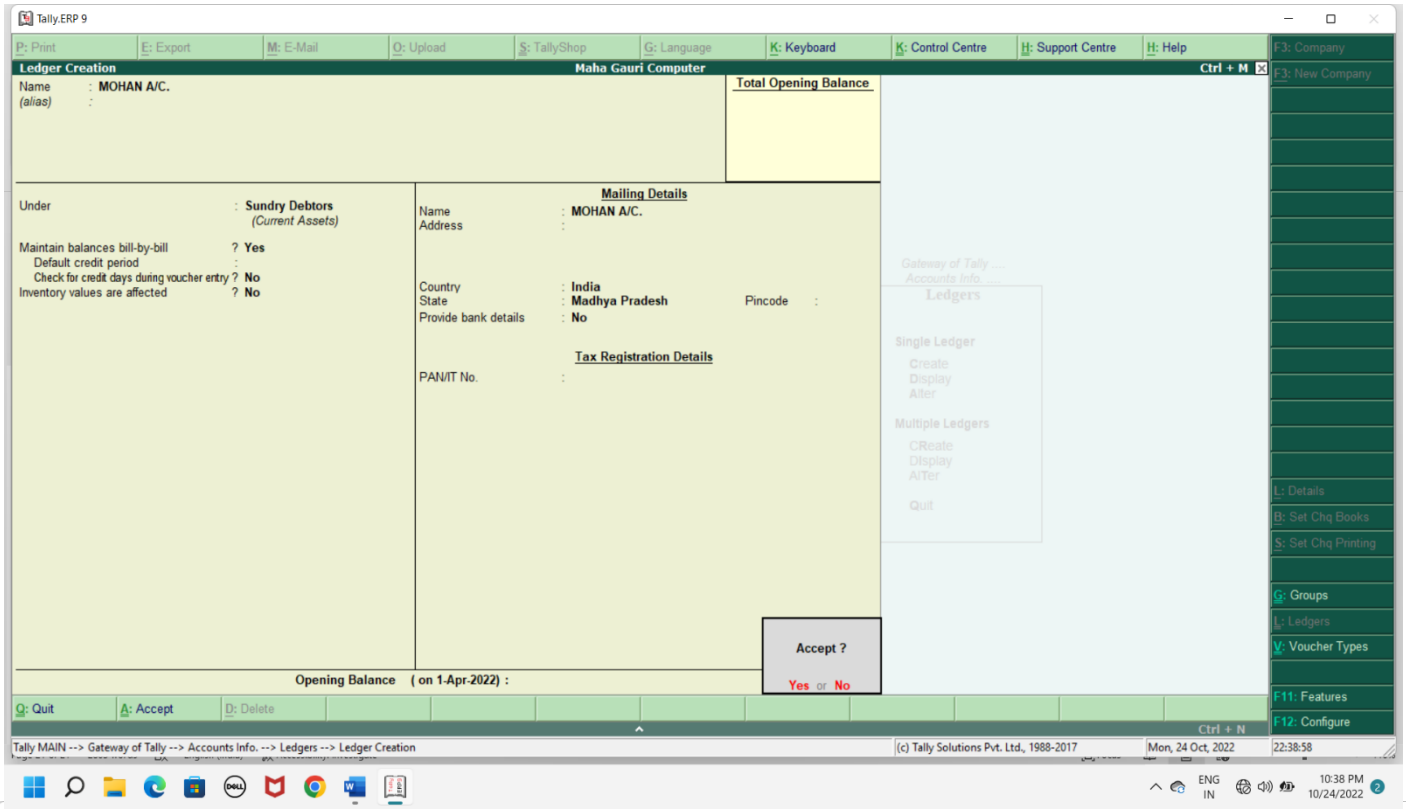

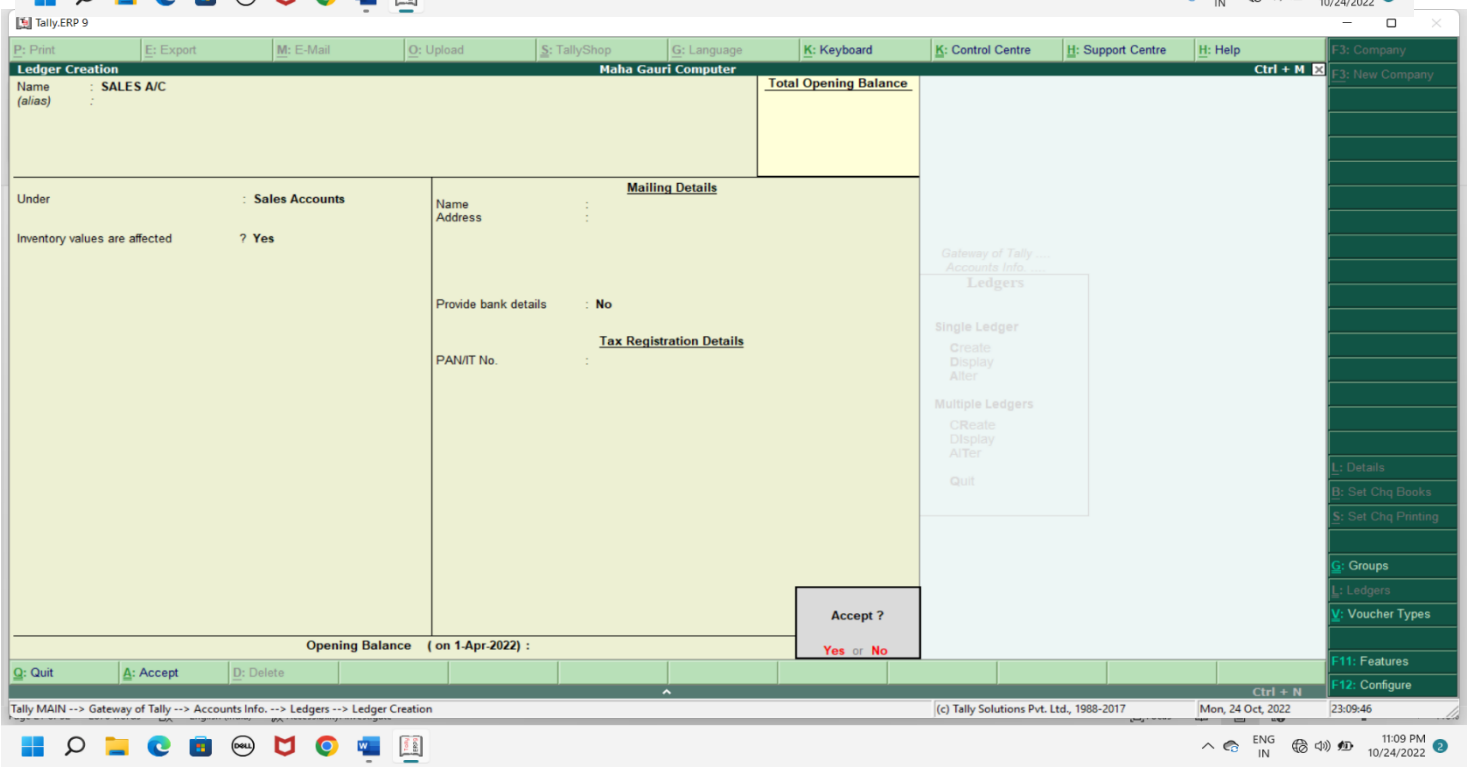

6.बृजेश को मजदुरी दी गई! 1,500 रुपये.

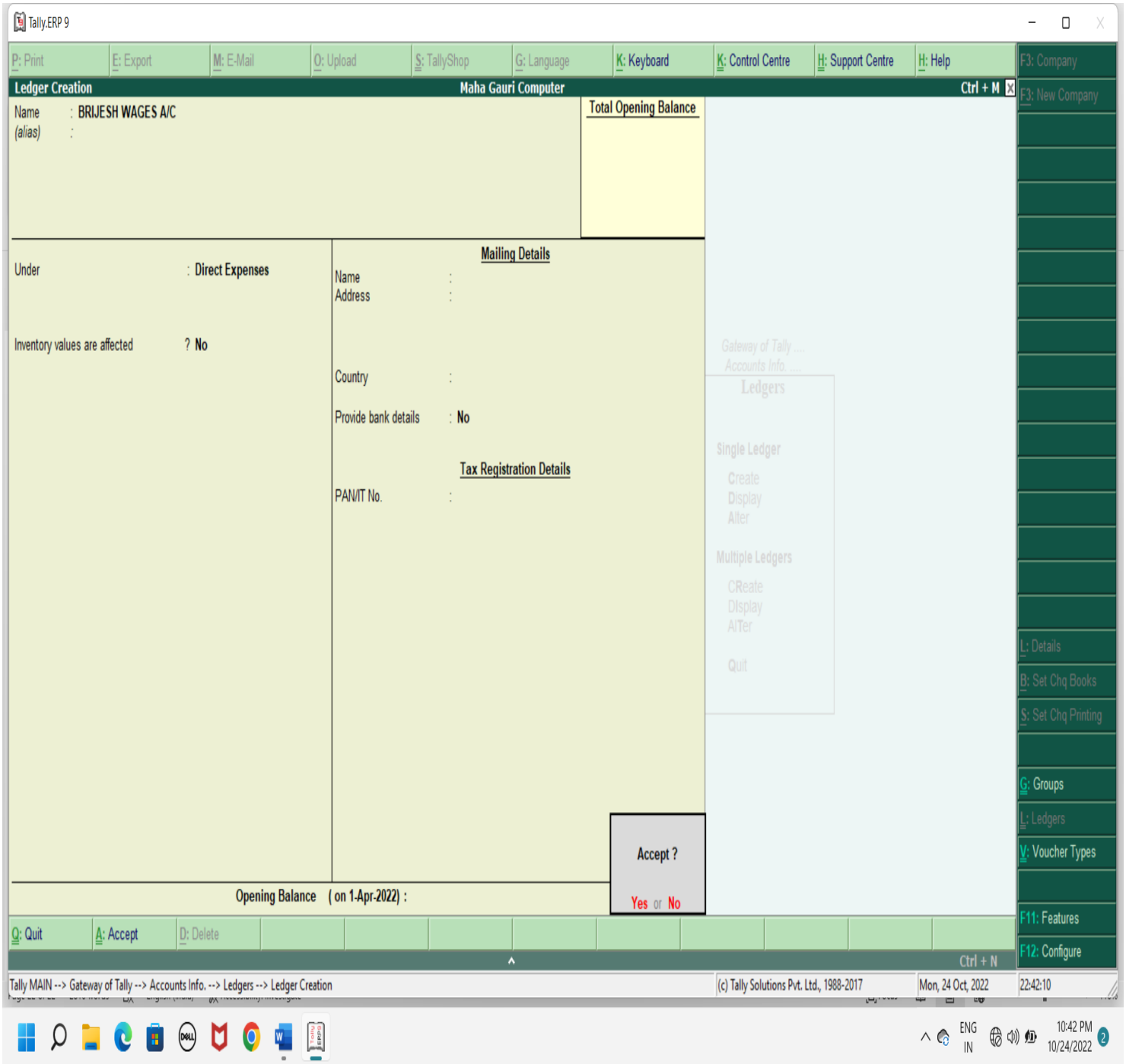

7.रोहन को वेतन दिया गया! 20,000 रुपये.

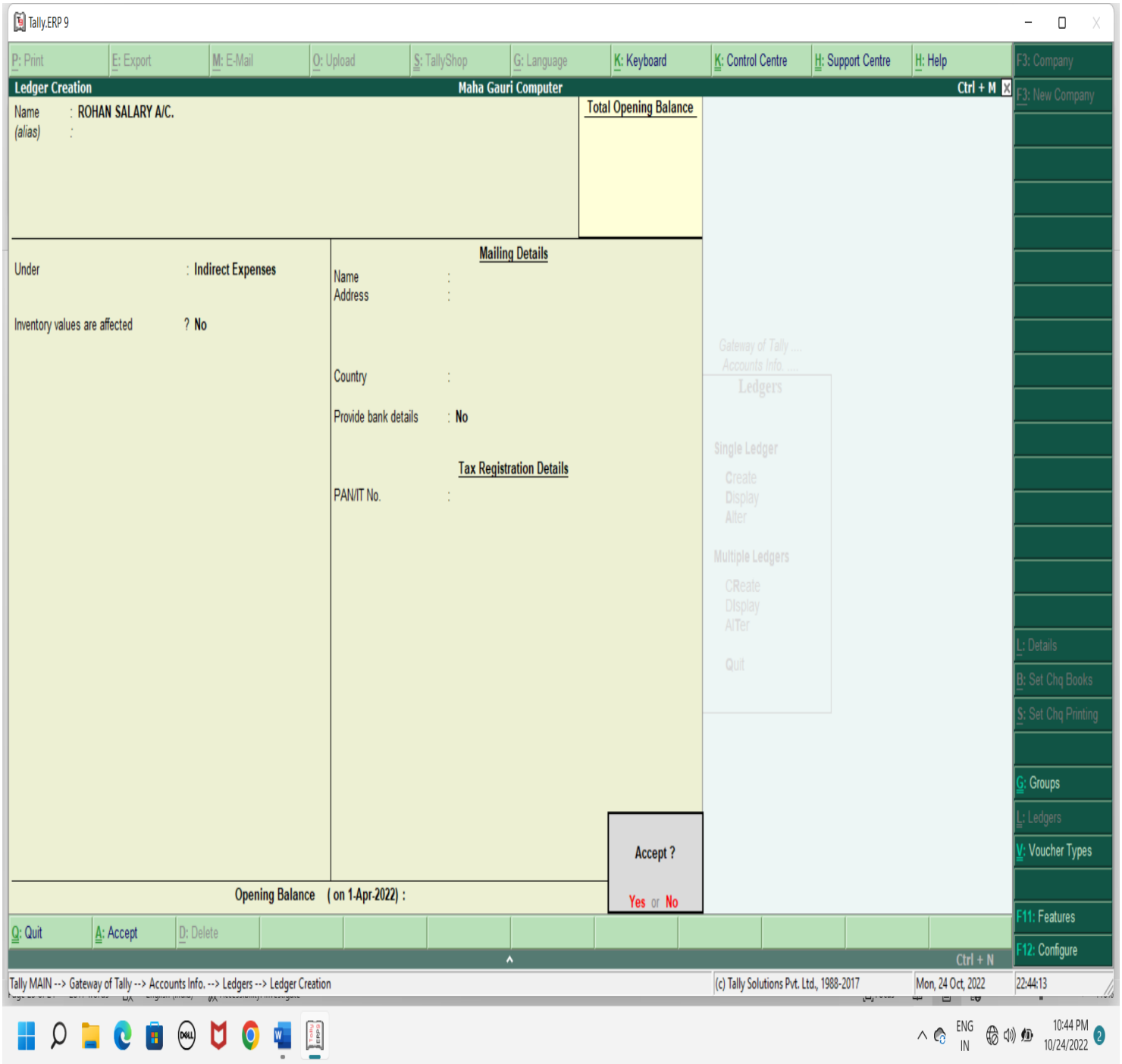

8.दुकान का किराया दिया गया! 6,000 रुपये.

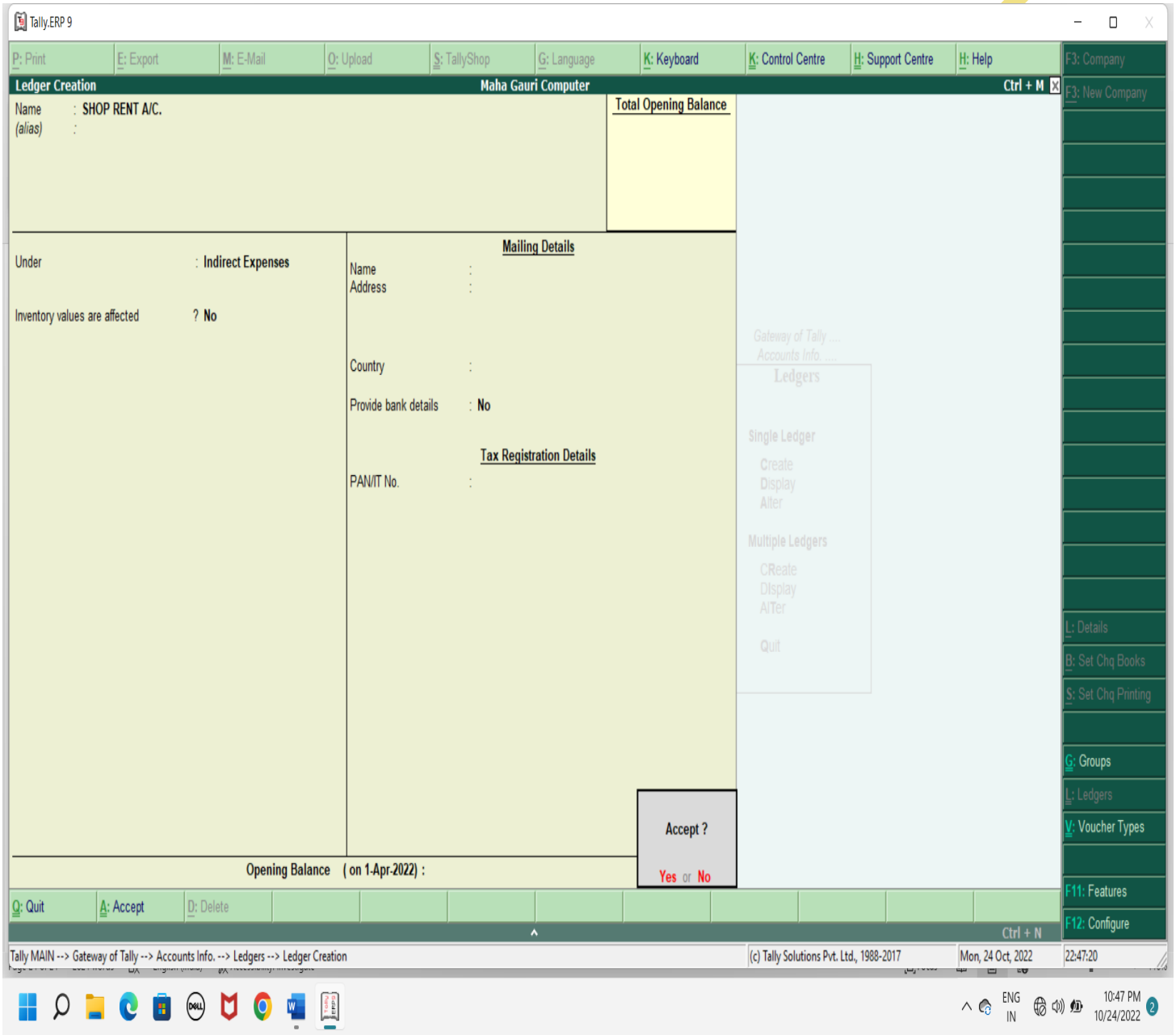

9.बिजली बिल दिया गया! 5,500 रुपये.

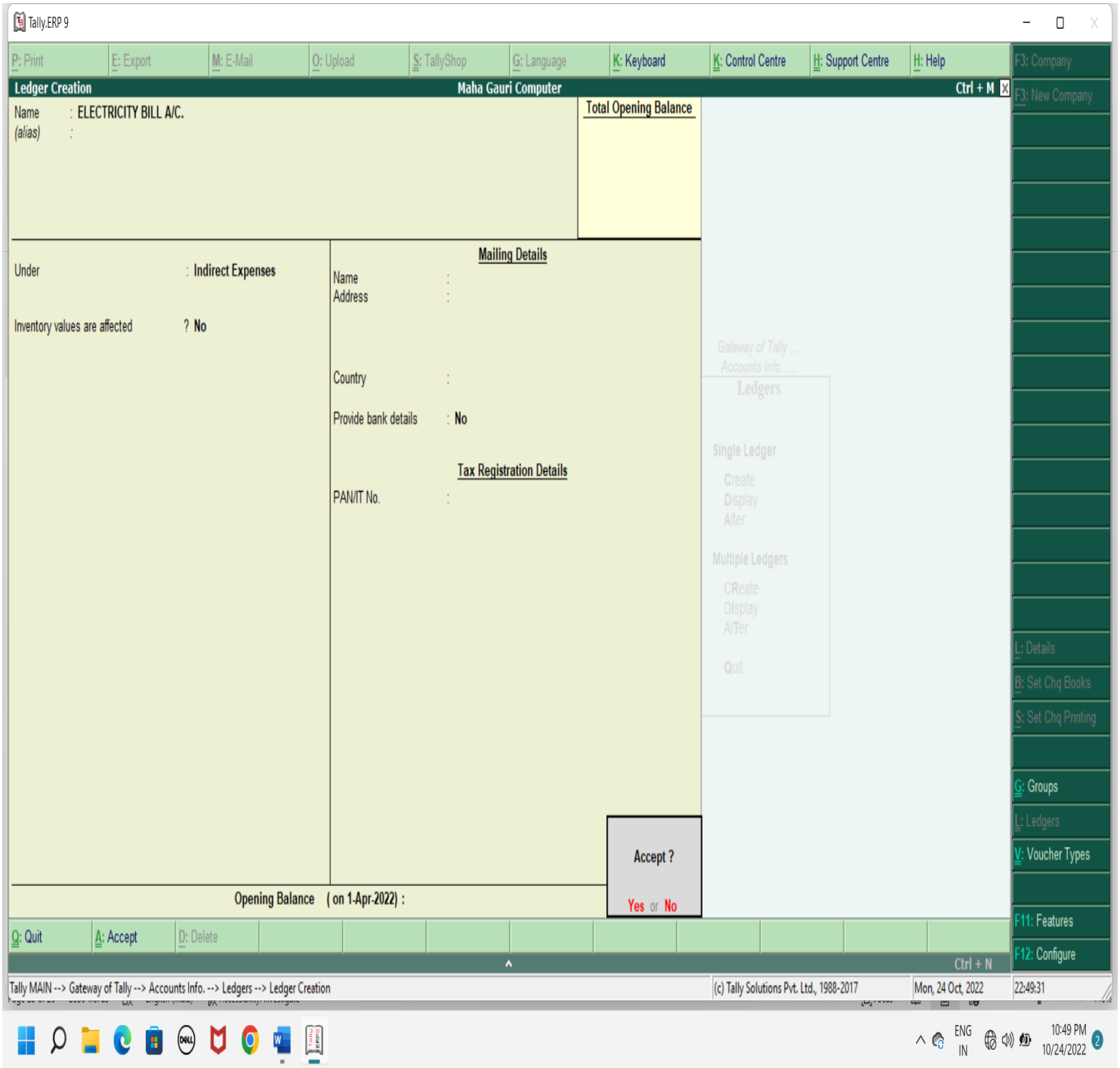

10. निजी व्यय के लिए पैसा निकाला गया! 25,000 रुपये.

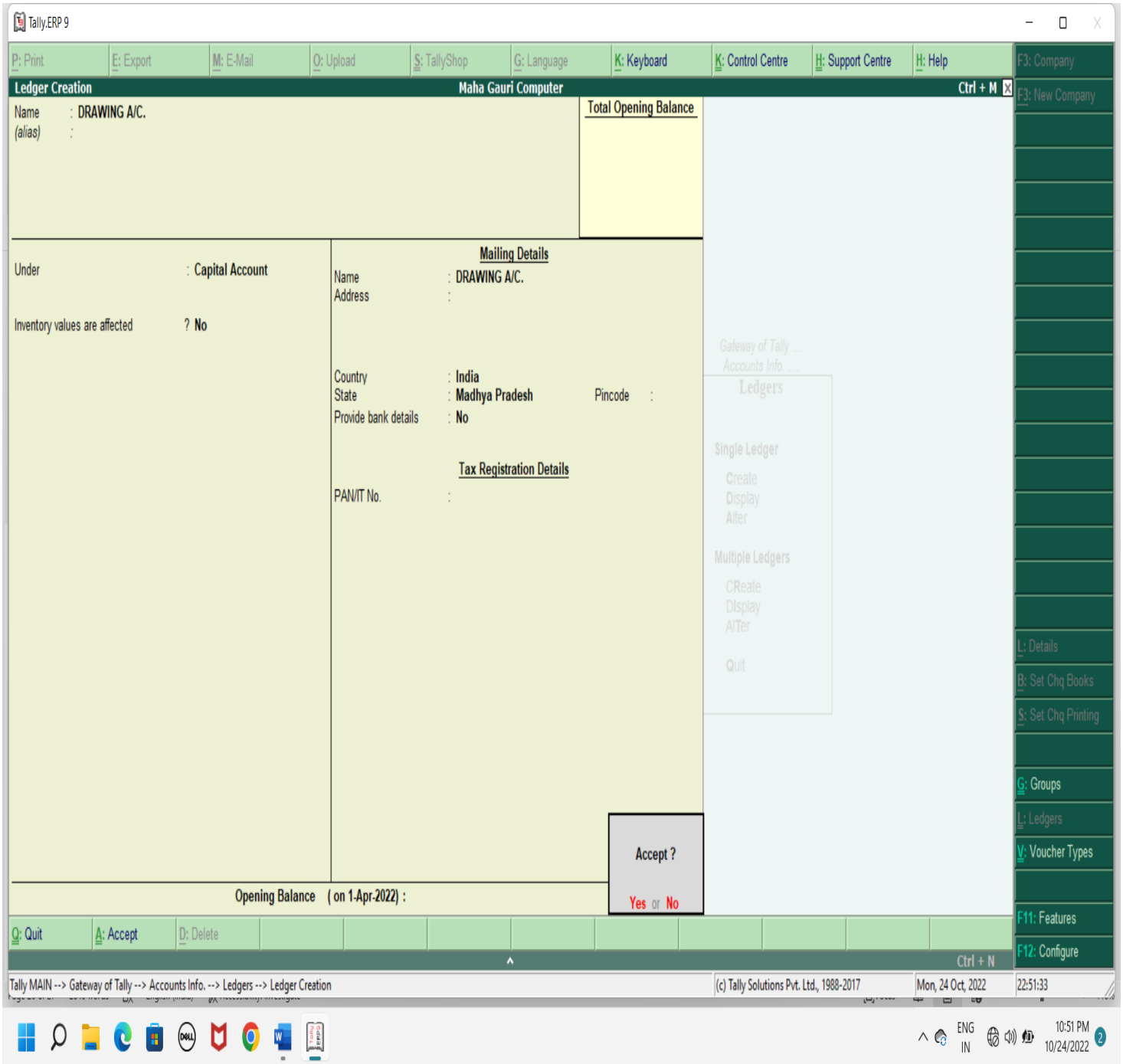

11.व्यपारिक व्यय दिया गया! 10,000 रुपये.

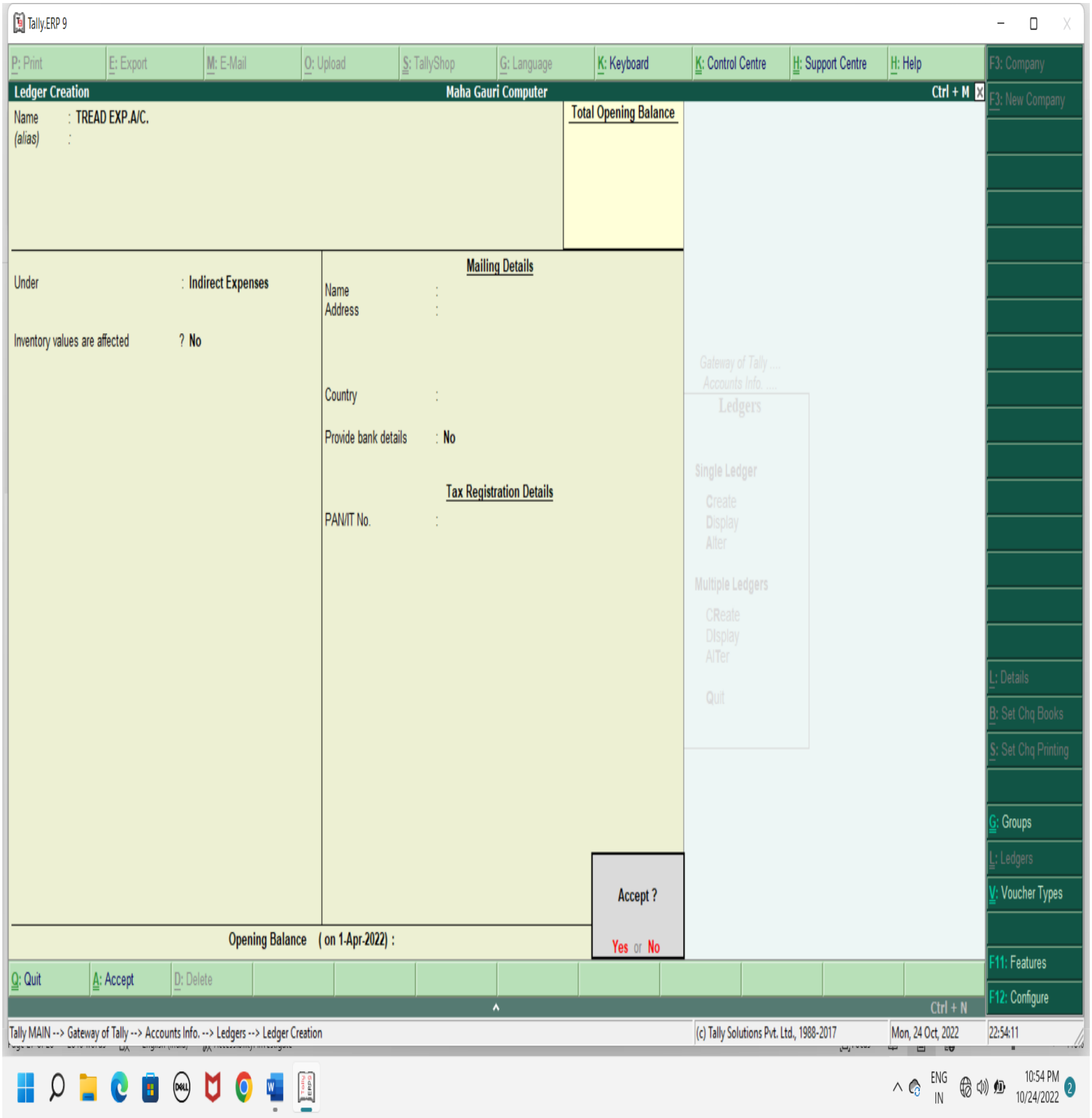

12.चाय का खर्च दिया गया! 3,000 रुपये.

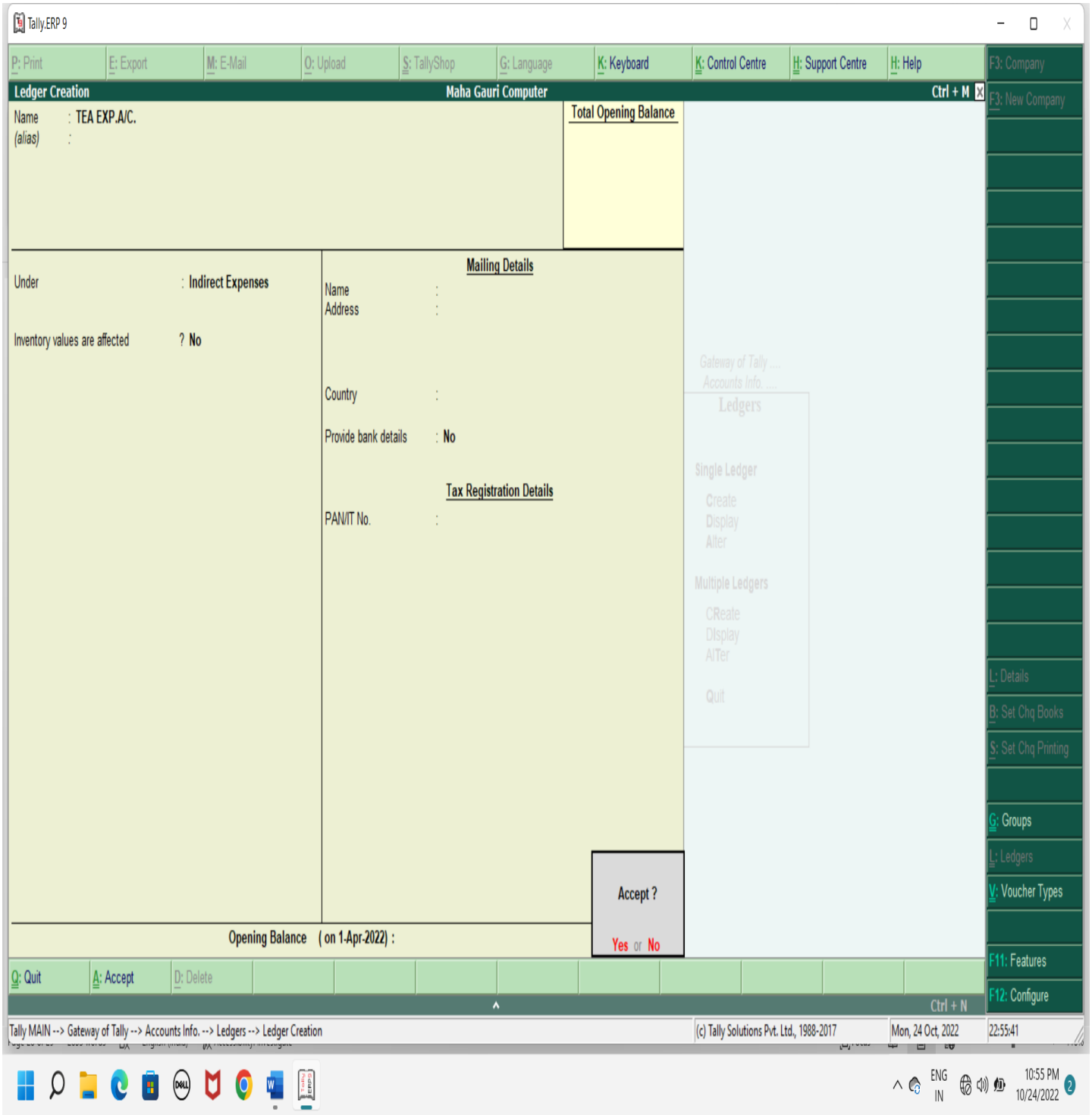

13.न्यूज पेपर का बिल दिया गया! 300 रुपये.

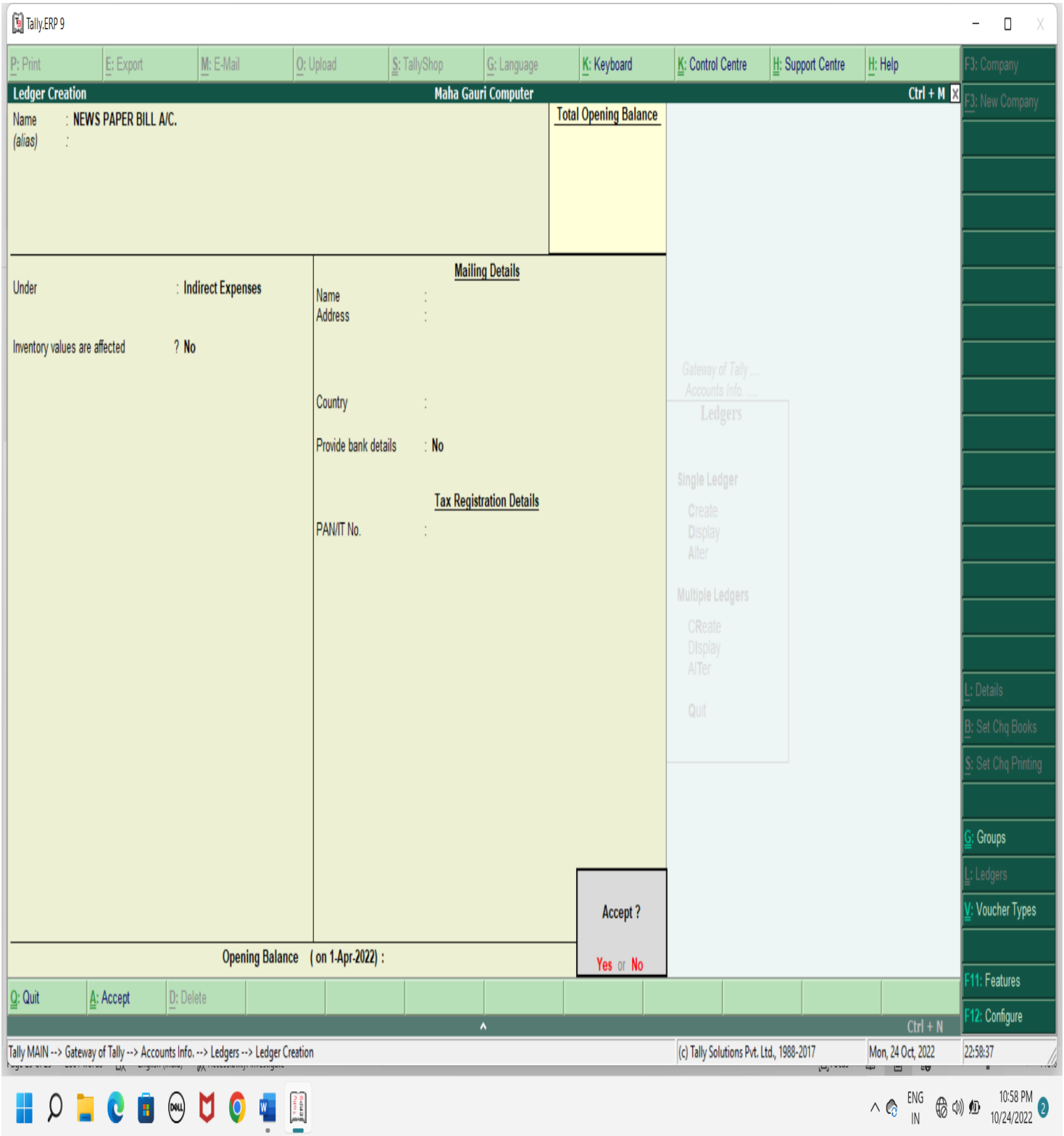

14.राम को माल वापस किया गया! 2,000 रुपये.

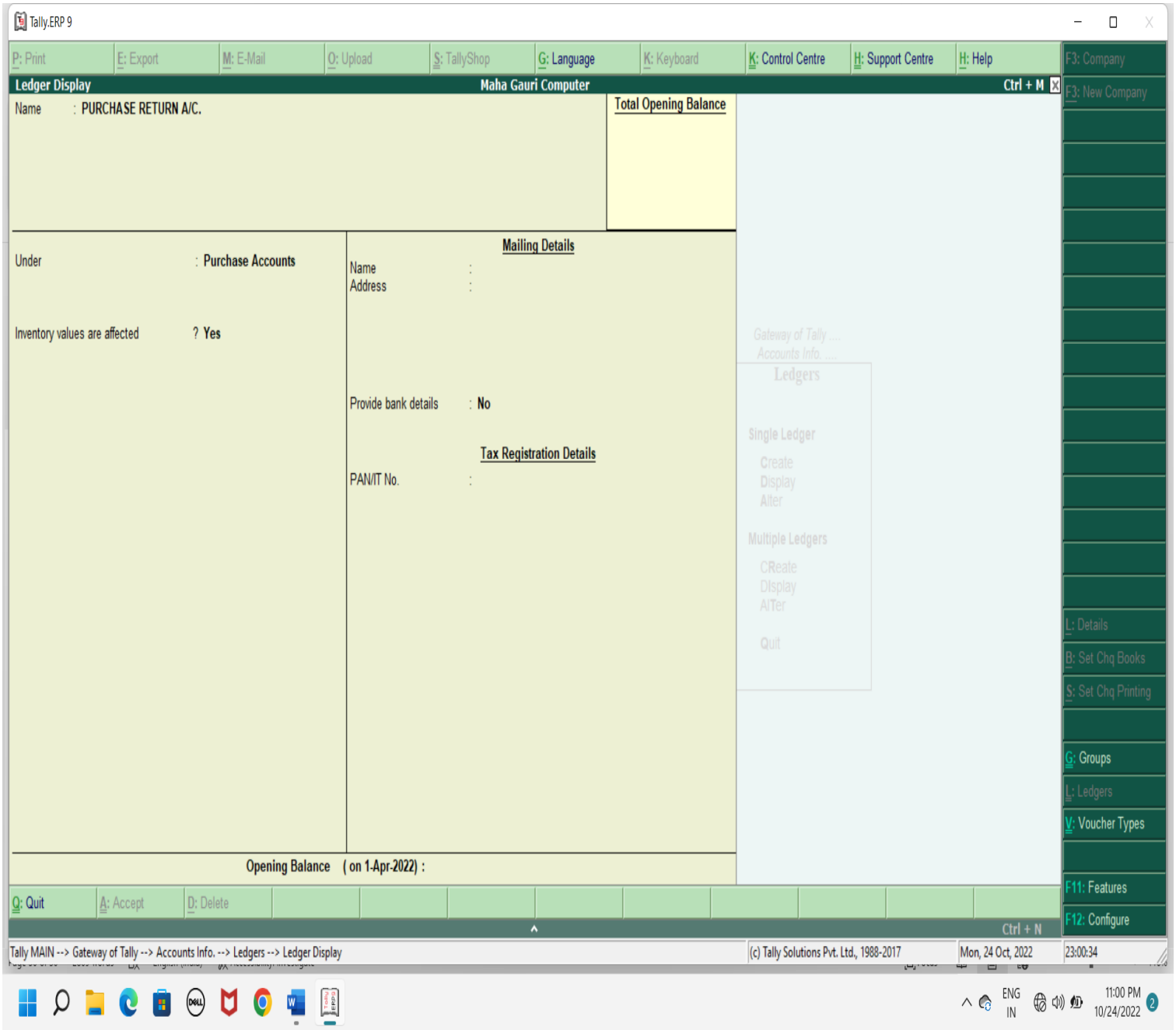

15.मोहन ने माल वापस किया! 1,500 रुपये.

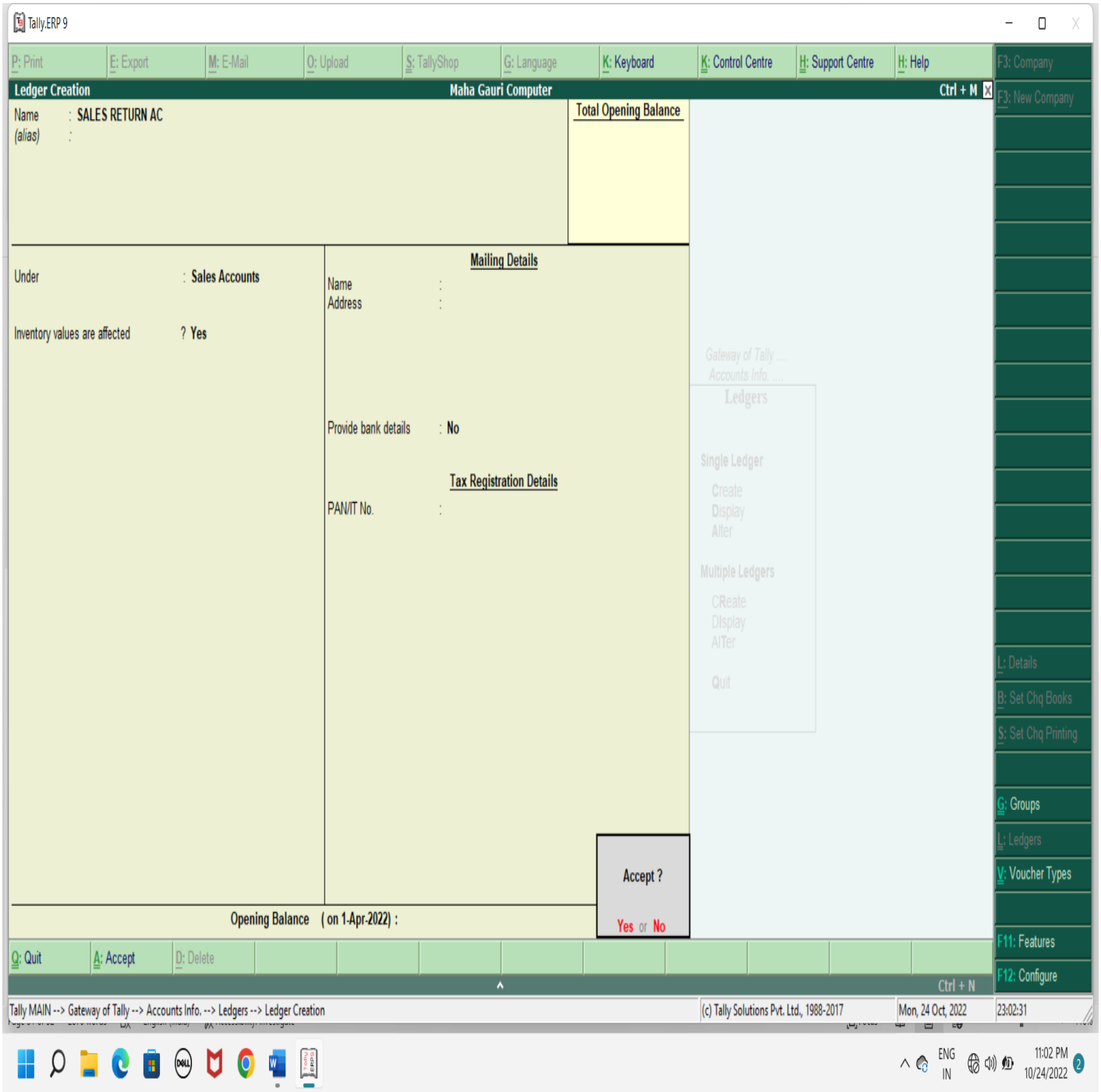

• MULTIPLE LEDGERS CREATIONS

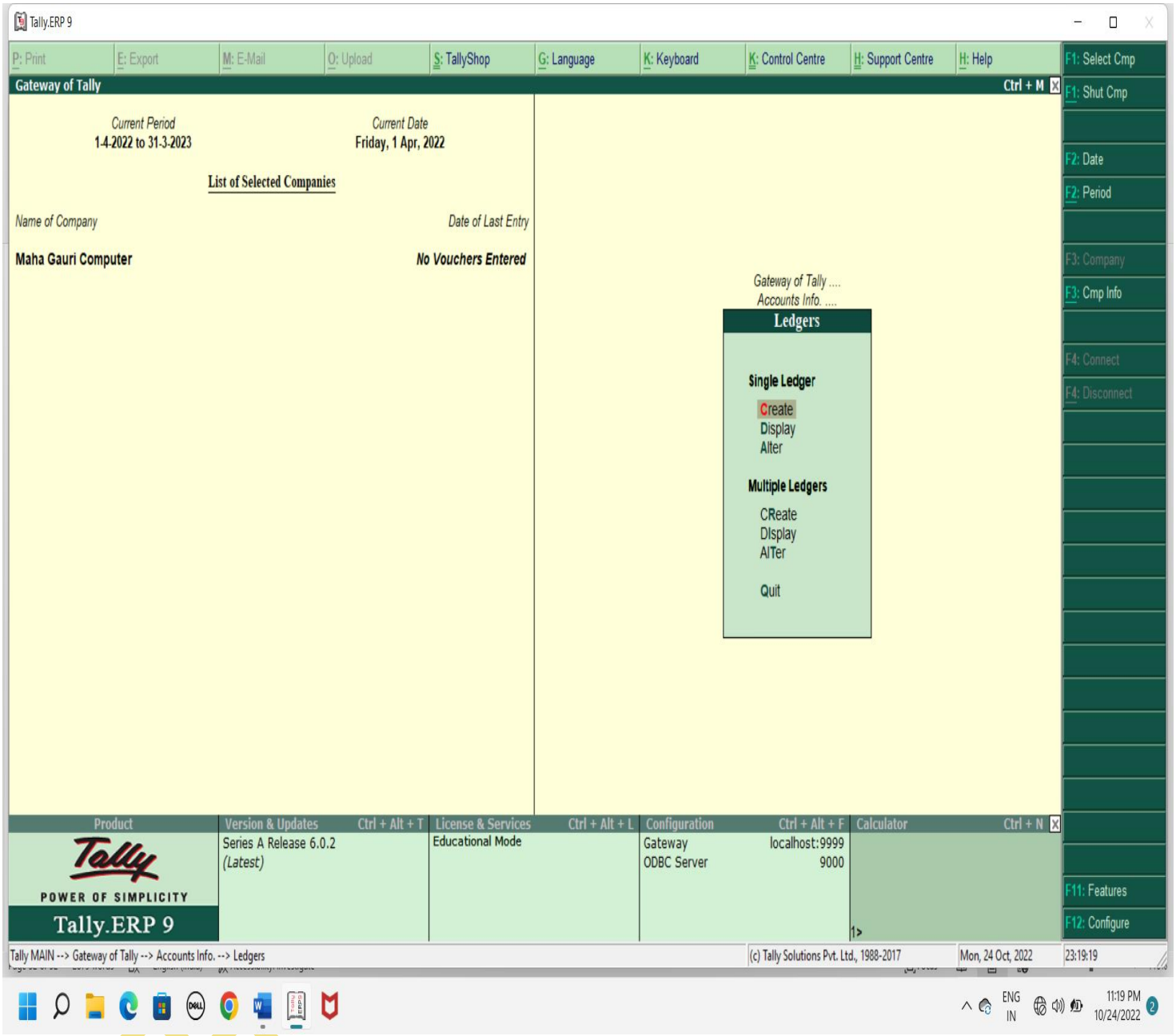

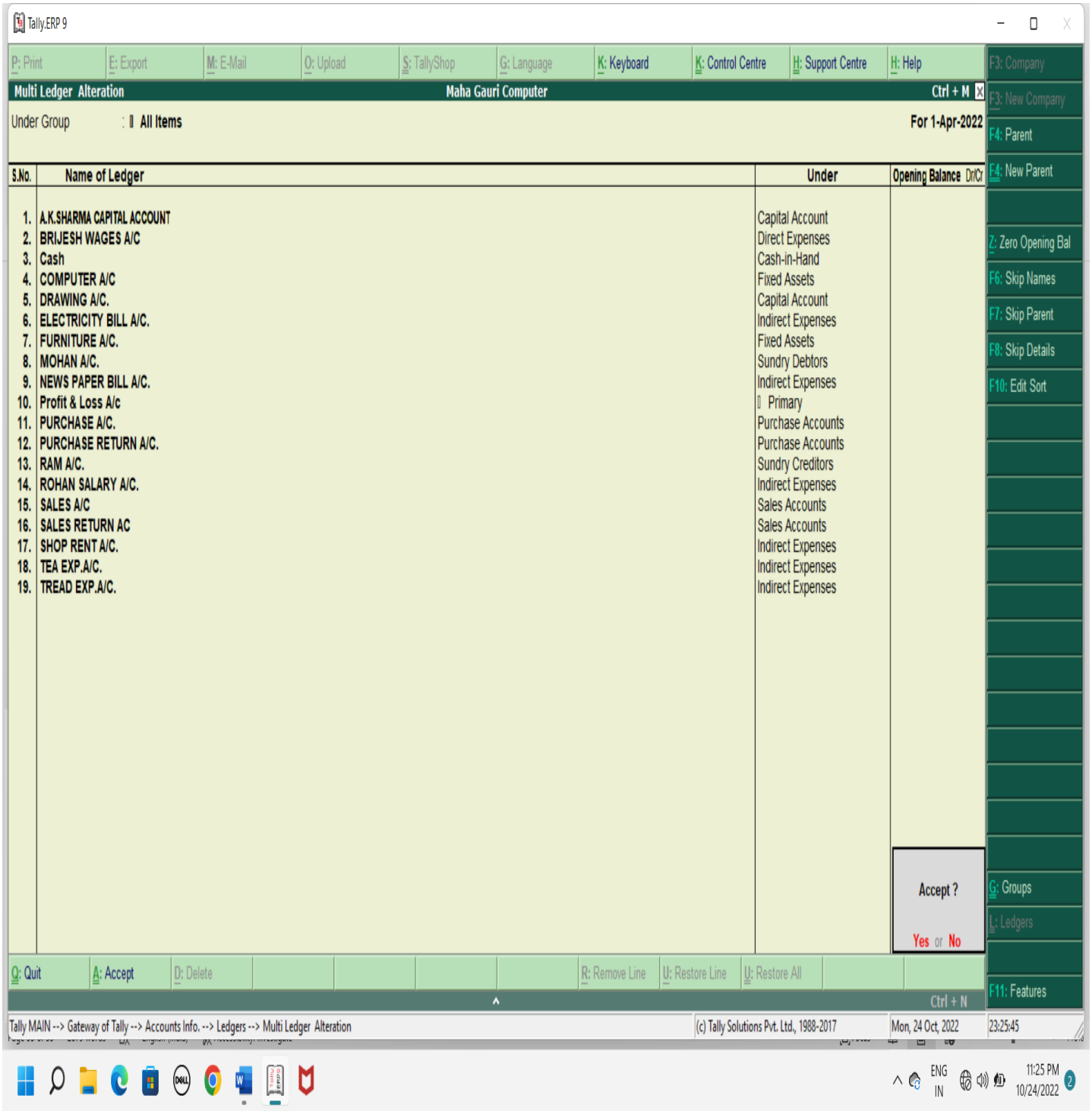
Tally.ERP 9
P: Print
E: Export
M: E-Mail
O: Upload
S: TallyShop
G: Language
K: Keyboard
K: Control Centre
H: Support Centre
H: Help
Multi Ledger Alteration
Maha Gauri Computer
Ctrl + M
Under Group : All Items
For 1-Apr-2022
S.No. Name of Ledger Under Opening Balance Dr/Cr
1. A.K.SHARMA CAPITAL ACCOUNT Capital Account
2. BRIJESH WAGES A/C Direct Expenses
3. Cash Cash-in-Hand
4. COMPUTER A/C Fixed Assets
5. DRAWING A/C. Capital Account
6. ELECTRICITY BILL A/C. Indirect Expenses
7. FURNITURE A/C. Fixed Assets
8. MOHAN A/C. Sundry Debtors
9. NEWS PAPER BILL A/C. Indirect Expenses
10. Profit & Loss A/c Primary
11. PURCHASE A/C. Purchase Accounts
12. PURCHASE RETURN A/C. Purchase Accounts
13. RAM A/C. Sundry Creditors
14. ROHAN SALARY A/C. Indirect Expenses
15. SALES A/C Sales Accounts
16. SALES RETURN AC Sales Accounts
17. SHOP RENT A/C. Indirect Expenses
18. TEA EXP.A/C. Indirect Expenses
19. TREAD EXP.A/C. Indirect Expenses
Accept ?
Yes or No
F3: Company
F3: New Company
F4: Parent
F4: New Parent
Z: Zero Opening Bal
F6: Skip Names
F7: Skip Parent
F8: Skip Details
F10: Edit Sort
G: Groups
L: Ledgers
F11: Features
Q: Quit
A: Accept
D: Delete
R: Remove Line
U: Restore Line
U: Restore All
Ctrl + N
Tally MAIN --> Gateway of Tally --> Accounts Info. --> Ledgers --> Multi Ledger Alteration
(c) Tally Solutions Pvt. Ltd., 1988-2017
Mon, 24 Oct, 2022
23:25:45
ENG IN
11:25 PM 10/24/2022

महा गौरी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्थान के ऑनलाइन एप्लीकेशन समझ अप्प ज्वाइन करने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद!

IF UNHAPPY-PLEASE TELL US

IF HAPPY PLEASE TELL OTHERS

हम आशा करते है की हमारे द्वारा दी गई जानकारी को आप अच्छी तरह समझ गए होंगे फिर भी अगर आपको और बेहतर तरीके से इसके बारे में जानकारी लेना है तो आप हमारे ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से हमारे शिक्षकों से जुड़कर और बेहतर तरीके से समझ सकते है हमारे शिक्षक हमेशा आपकी सेवा में तत्पर है!

धन्यवाद

महा गौरी कंप्यूटर